



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अक्टूबर, 2014 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अक्टूबर मास का चार्ट:

लक्ष्य – आत्म अभिमानी स्थिति से सम्पूर्ण पवित्रता की ओर।

हम आत्माएं इस धरती के चैतन्य सितारे हैं। हमसे ही यह संसार रोशन है। हमारे में ज्ञान एवं पवित्रता की रोशनी है। ज्ञान को भी प्रकाश कहा जाता है और पवित्रता की परख भी रोशनी के आधार पर ही है। हम शुद्र से ब्राह्मण और ब्राह्मण से देवता बनते हैं तो रहते तो मनुष्य ही है, परंतु अन्तर है चरित्र का अर्थात् पवित्रता का। पवित्रता का नष्ट होना हमें शुद्र बना देता है, पवित्रता की धारणा हमें ब्राह्मण बना देती है और पवित्रता की सम्पूर्णता हमें देवता बना देती है। पवित्रता को धारण करना हमारा धर्म है, कर्म है, नैतिक फर्ज है, सहयोग है, सहकार है...। हमारी रियाल्टी, रॉयल्टी एवं पर्सनालिटी पवित्रता है। पवित्रता को धारण करने का मूल आधार है हमारी आत्म अभिमानी स्थिति। आत्मा की स्मृति एवं अनुभूति के बिना पवित्र बनना असम्भव है।

तो आईए, हम निरन्तर आत्म अभिमानी स्थिति का अभ्यास कर पवित्रता के इस महान व्रत को धारण करें और अपना अखण्ड स्वराज्य स्थापन करें।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	आधा घण्टा अभ्यास – मैं आत्मा पवित्र स्वरूप हूँ
दूसरा	एक घण्टा अभ्यास – मैं आत्मा पवित्रता का सूर्य हूँ
तीसरा	दो घण्टा अभ्यास – मैं आत्मा पवित्र फरिश्ता हूँ
चौथा	चार घण्टा अभ्यास – मैं आत्मा पवित्र देवता/दैवी हूँ

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चलते फिरते, कार्य करते अभ्यास एवं चिन्तन करना है। उस पर 10 लाईन कम से कम लिखनी है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % आत्मभिमानी होकर पवित्रता को धारण किया।

❖ विशेष Activity: मास के प्रथम रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरनेवाले भाई-बहनों का वर्कशोप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श करायें:

1. पवित्रता क्या है,
2. उसके लिए आत्मभिमानी की धारणाएं क्यों चाहिए,
3. उसके फायदे एवं प्राप्ति क्या है।
4. Action Plan बनाएं।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. पवित्रता - 50%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. पवित्रता की ऊँचाई से नीचे लाने वाली कोई भी बात नहीं करेंगे।
2. एकव्रता का व्रत पक्का रखेंगे।

● अभ्यास: हर घण्टे 1 मिनट अपने अनादि पवित्र स्वरूप को स्मृति में लाना।

● दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%		अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%		ट्रैफिक कंट्रोल-90%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-80%
स्वमान की स्मृति-75%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
पवित्रता -50%		गुड नाइट-95%
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।		